सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-7	**विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक**	**पाठ-9 मुकदमा हवा- पानी का**

मौखिक कौशल

1. मुकदमा हवा और पानी पर चलाया गया था।

2. दरवार में महाराज, मंत्री, हवा, पानी बने दो बच्चे और कुछ लोग थे।

3. पहले पानी पर कार्रवाई की गई।

4. हवा से लोगों की पहली शिकायत थी कि हवा में आजकल खुशबू नहीं है। यह हर समय यहाँ-वहाँ बदबू फैलाती है।

लिखित कौशल

1. (क) पानी से लोगों को शिकायत भी कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। नदियों और नहरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है। पानी कहीं बरसता है, कहीं नहीं बरसता। इसमें गाँव बाढ़ का शिकार हो जाते हैं।

(ख) अधिक वर्षा के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। जो बादल बना है वह बरसेगा ही।

(ग) पानी का न्याय करते समय महाराज ने लोगों से कहा कि तुम्हारा भला इसी में है कि अपनी गलतियाँ सुधारो और पानी को निर्मल तथा उपयोगी रहने दो।

(घ) लोगों ने हवा पर आरोप लगाए कि हवा बदबू फैलाती है, अचानक चलकर उनकी आँखों में मिट्टी डाल देती है। आँधी बनकर घरों में रेत और कूड़ा भर देती है।

(ङ) आँधी चलने के बारे में हवा ने दलील दी कि वैसे तो वह हर समय बहती है परंतु जिस तरह लोगों को गरमी लगती है तो वे पंखा चलाकर उसको गति बढ़ा देते हैं। उसी तरह जहाँ हवा कम होती है तो वह तेजी से वहीं जाती है।

(च) मुकदमे के अंत में महाराज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि लोग हवा से दुखी तो हैं पर कसूर हवा का नहीं है। लोगों को सफ़ाई की आदत अपनानी होगी। तभी हवा दूषित होने से बचेगी। हमें हवा और पानी को अपना दोस्त मानकर उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ। इसमें ही हमारा भला और बचाव है।

2. (क) कार्यवाही (ख) रखवाली (ग) बरसेगा (घ) खुशबू (ङ) आदत (च) गैसें (छ) कसूर

मूल्यपरक प्रश्न

1. प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं। ये हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विभिन्न चीजों को प्राप्त करने का एक आधार है। ये हमारे जीवन को आरामदायक बनाते हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इनसे हमें खाद्य सामग्री और अन्य ज़रूरी जीवनोपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं।

2. वायु प्राणी जगत के जीवन का आधार है। परंतु वायु दूषित होने से इसके भयंकर परिणाम देखने को मिलते हैं। साँस के साथ जहरीली गैसें और धूल के कण शरीर के अंदर जाते हैं जिनसे कई प्रकार के रोग लग जाते हैं, जैसे- अस्थमा, कैंसर आदि। दूषित वायु से वायुमंडल में जहरीली गैसें फैल जाती हैं जो स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। भूमि की उर्वरता नष्ट हो जाती है। मनुष्य के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। उनकी प्रजातियाँ लुप्त होने लगती हैं।